बाइबल — हमारे परमेश्वर का वचन, जो हमारे मार्ग का प्रकाश और हमारे पाँवों के लिए दीपक है (भजन संहिता 119:105) — का अध्ययन करने में आपका स्वागत है।

यह वचन, यह दीपक, कहता है:

यहूदा 1:5 (Hindi ERV/ओ.वी.):
“मैं तुम्हें वह बात याद दिलाना चाहता हूँ, यद्यपि तुम पहले
से जानते हो, कि प्रभु ने जब लोगों को मिस्र देश से छुड़ाया,
तब बाद में उसने उन सबको नष्ट कर दिया जो विश्वास नहीं करते थे।”

इन शास्त्रों से हम सीखते हैं कि उद्धार (salvation) यात्रा का अंत नहीं है। यह सच है कि पूरा इस्राएली समुदाय मिस्र से निकाला गया, पर सब प्रतिज्ञा किए हुए देश में प्रवेश नहीं कर सके। केवल दो — यहोशू और कालेब — तथा वे बच्चे जो जंगल में पैदा हुए थे। और बाकी सब जंगल में नष्ट हो गए, यद्यपि परमेश्वर ने उन्हें मिस्र से छुड़ाया था।

आज भी बहुत-से लोग उद्धार पाए हुए हैं, और बहुत-से यीशु का अंगीकार करते हैं, परंतु बहुत-से लोग इसलिए नष्ट हो जाते हैं

क्योंकि वे अपनी उद्धार की अवस्था में परमेश्वर के साथ नहीं चलते।

अधिकतर इस्राएली घमण्ड से भरे थे (उदाहरण के लिए दातान और कोरह — गिनती 16:1–50 देखें)। अन्य लोग निरंतर शिकायत, मूर्तिपूजा और परमेश्वर को परखने से भरे हुए थे। यद्यपि वे फिरौन की दासता से छुड़ाए गए थे, फिर भी वे प्रतिज्ञा किए हुए देश को कभी न देख सके।

वे उद्धार पाए — फिर भी बाद में नष्ट किए गए।
वे आज़ाद किए गए — फिर भी बाद में नष्ट किए गए।
वे चंगे किए गए — फिर भी बाद में नष्ट किए गए।

और इससे भी अधिक दुखद यह है कि वे तब नष्ट किए गए जब वे अब भी मन्ना (स्वर्गीय आशीषें) खा रहे थे, बादल और आग के स्तंभ (अभिषेक और दिव्य मार्गदर्शन) के नीचे चल रहे थे, और लाल समुद्र से होकर मूसा में बपतिस्मा पाए थे।

ये सब बातें आज हमारे लिए शिक्षा और चेतावनी हैं, जैसा कि शास्त्र कहता है:

1 कुरिन्थियों 10:1–12 (Hindi ERV/ओ.वी.):

“1 क्योंकि हे भाइयो और बहनो, मैं नहीं चाहता कि तुम इस बात से अनजान रहो कि हमारे पूर्वज सब बादल के नीचे थे और सब समुद्र से होकर गुज़रे।
2 और वे सब बादल और समुद्र में होकर मूसा में बपतिस्मा पाए। 3 और वे सब ने एक ही प्रकार का आत्मिक भोजन खाया।
4 और वे सब ने एक ही प्रकार का आत्मिक पेय पिया; क्योंकि वे उस आत्मिक चट्टान से पीते थे जो उनके साथ-साथ चलती थी, और वह चट्टान मसीह था।
5 तौभी उनमें से अधिकांश से परमेश्वर प्रसन्न न हुआ, इसलिए वे जंगल में नाश कर दिए गए।
6 ये सब बातें हमारे लिए आदर्श के रूप में हुईं ताकि हम बुरी वस्तुओं की इच्छा न करें, जैसा उन्होंने किया।
7 और न तुममें से कोई मूर्तिपूजक बने, जैसा उनमें से कुछ बने थे; जैसा लिखा है, ‘लोग खाने-पीने के लिए बैठे और खेल-कूद करने के लिए खड़े हुए।’
8 और न हम व्यभिचार करें, जैसा उनमें से कुछ ने किया और एक ही दिन में तेईस हज़ार गिर पड़े।
9 और न हम मसीह को परखें, जैसा उनमें से कुछ ने किया और सांपों के द्वारा नाश किए गए।
10 और न हम कुड़कुड़ाएँ, जैसा उनमें से कुछ ने किया और नाश करने वाले ने उन्हें नाश किया।
11 ये सब बातें उन पर दंड के रूप में हुईं और हमारे लिए शिक्षा के लिए लिखी गईं, जिन पर युगों का अंत आ पहुँचा है। 12 इसलिए जो अपने आप को दृढ़ समझता है, वह सावधान रहे कि कहीं वह गिर न पड़े।”

क्या तुम अपनी बपतिस्मा पर घमण्ड करते हो?
क्या तुम अपने पंथ (denomination) पर घमण्ड करते हो?
क्या तुम अपनी आत्मिक वरदानों पर घमण्ड करते हो?
क्या तुम अपने अभिषेक पर घमण्ड करते हो?

इस्राएलियों के पास भी ये सब बातें थीं — फिर भी बहुत-से नष्ट कर दिए गए।

अपने मसीही जीवन को पवित्र करो।
पाप से दूर रहो।
परमेश्वर की परीक्षा न लो।
उद्धार पाने के बाद फिर मूर्तिपूजा या संसारिकता की ओर न लौटो। संसार से अपने आप को अलग रखो।
यहोशू और कालेब के समान परमेश्वर के साथ चलो — और प्रभु हम सबकी इसमें सहायता करे।

आमीन।

इस शुभ संदेश को दूसरों तक पहुँचाओ।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

उसने अविश्वास करने वालों को नष्ट कर दिया

Share on:
WhatsApp